an>

Title :Need to provide salary, allowances and other service benefits to personnel of para-military forces at par with personnel of military forces.

श्री राजू शेट्टी (हातकणंगले) ः देश की सशस्त्र सेना पर हम सभी भारतीयों को गर्व है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने संरक्षण एवं अर्थ-विभागों ने दीर्घकालीन सशस्त्र सेना दलों की समस्याओं को हल करने हेतु "वन रैंक-वन पेंशन " (ओ.आर.ओ.पी.) जैसा प्रबंध किया उसके लिए सभी पूर्व सैनिक आदरणीय मोदी जी का समर्थन ही करेंगे।

आज मैं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बारे में कुछ अहम सवाल उठाना चाहता हूं। आप सभी को पता है कि बॉर्डर सिक्योरिटी (बी.एस.एफ.), इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस (आई.टी.बी.पी.), सेंट्रल रिजर्व पुलिस फॉर्स (सी.आर.पी.एफ.) व केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी.आई.एस.एफ) के अफसर एवं कर्मचारियों की देश के अंदर सुरक्षा व्यवस्था को कायम रखने एवं देश की सीमाओं की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं एवं उनकी इस भूमिका एवं योगदान को किसी भी दृष्टि से कमतर नहीं आंका जा सकता।

इन सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मी सीमाओं पर रहते हैं तो उनके परिवार के सदस्यों को अपने गांव, देहातों में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। पिछले दो माह में मेरे संसदीय क्षेत्र हातकंणगले (जिला कोल्हापुर और सांगली) में तीन वीर जवानों को दुश्मन से लड़ते समय वीरगति प्राप्त हुई है। सरकार वीरगति प्राप्त जवानों के परिवारों को कुछ आर्थिक मदद तुरंत सौंप तो देती है, लेकिन उनके घर, जमीन आदि प्रॉपर्टी का रक्षण करने हेतु कोई प्रबंध नहीं करती। दूसरी ओर सैन्य बलों जैसा वेतन और समयोपरि भत्ते एवं कैंटीन सुविधा इन लोगों को उपलब्ध नहीं होती।

आज हमारी तीनों सेना दलों के साथ-साथ इन सभी पुलिस दलों के जवान देश की सीमाओं की रक्षा करने हेतु तैनात हैं, इसलिए हम यहां चैन की सांस ले सकते हैं। इसे हमको भूलना चाहिए। इसके साथ-साथ इन्हीं चारों पुलिस बलों के जवान अगर वीरगति प्राप्त करते हैं, तो उन्हें भी सैन्य बलों जैसा शहीदों का दर्जा मिले उसके लिए कोई कानून में संशोधन करना या प्रावधान करना हो तो उसके लिए सरकार द्वारा तुरंत कदम उठाने की नितांत आवश्यकता है।

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again tomorrow the 2nd December, 2016 at 1100 a.m.

12.22 hours

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Friday, December 2, 2016/Agrahayana 11, 1938 (Saka).

---

* ण्ड्ढ म्श्र्द्र अ ड्ढद्मत्ड्ढड्ढड्ड ड्ढडद्दध्ड्ढ ण्ड्ढ दठ्ठड्ढ द्दढ ड्ढ ग्ड्ढश्ड्डड्ढद्ध त्दड्डत्हड्ढय्ड्ढद्म् ण्ड्ढद्य् ण्ड्ढ द्र्वड्डढद्य्त्द्दद ड्ढद्म् ड्ढहय्द्वड्ढश्न्र् ड्ढत्ड्ढड्ढड्ड द्दद ण्ड्ढ ढश्द्दद्ध द्दढ ण्ड्ढ Hद्दद्वम्ड्ढ ड्ढ्र ण्ड्ढद्य् ग्ड्ढश्ड्डड्ढद्ध.

* ग़्द्दद्य् द्धड्ढहद्दद्धड्डड्ड्ढड्ड.